establishment inside the Red Fort in view of the damaging effect it has on the face of the National Monument;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c) No, Sir. All historically significant structures in the Fort such as Diwan-e-Khas/Aam Delhi gate, Museum and Salimgarh Fort have already been handed over to Archaeological Survey of India. Army units have been accommodated in barracks built essentially for the military garrison and have no historical significance. The skeleton strength of the Army at Red Fort has been maintained as a standby for internal security duties in the neighbourhood.

Government do not see any justification for reviewing the well considered decision already taken on this issue.

Use of Vacant Defence Lands

7251. SHRI SANJAY DALMIA:
MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to permit the use of vacant Defence lands for non-defence purposes;

(b) if so, the details thereof and the terras and conditions for granting such permission; and

(c) the total defence land in terms of acres proposed to be spared for non-defence uses?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise in view of reply to (a) above.

सैनिक स्कूलों का कार्य-निष्पादन

7252. चौधरी हरमोहन सिंह: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में सैनिक स्कूलों के कार्य-निष्पादन के संबंध में कोई अध्ययन कराया गया है;

(ख) क्या सैनिक स्कूलों की स्थापना के उद्देश्य प्राप्त हो गए हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सैनिक स्कूलों के कार्य-निष्पादन में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) से (घ) सैनिक स्कूलों के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए कोई औपचारिक अध्ययन नहीं किया गया है। तथापि, बारहवीं कक्षा की परीक्षा में तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए प्रवेश परीक्षा में सैनिक स्कूलों के कार्य-निष्पादन के संबंध में 1992-93 में किए गए आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार सैनिक स्कूलों का कार्य-निष्पादन 48.6% से बढ़कर 58.4% हो गया है।

सैनिक स्कूलों का प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए लड़कों को शैक्षिक, शारीरिक तथा मानसिक रूप से तैयार करना है। सैनिक स्कूलों ने 1994 तक राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 4649 कैडेट भेजे हैं। इस तरह, सैनिक स्कूलों को स्थापित करने का उद्देश्य पूरा हुआ है।

भूतपूर्व सैनिक के लिए गृह निर्माण संबंधी योजनाएं

7253. श्री संघ प्रिय गौतम: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गृह निर्माण से संबंधित कौन-कौन सी कल्याण योजनाएं भूतपूर्व सैनिकों के लिए मंजूर की गई हैं;

(ख) क्या मंत्रालय के कल्याण आवास संगठनों द्वारा उन्हें कोई वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या उन्हें ऋण की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) से (ग) सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860